Mata Sita Aarti Lyrics In Hindi

आरती श्री जनक दुलारी की
सीता जी रघुवर प्यारी की
जगत जननी जग की विस्तारिणी
नित्य सत्य साकेत विहारिण
परम दयामयी दिनोधारिणी
सीता मैया भक्तन हितकारी की
आरती श्री जनक दुलारी की
सीता जी रघुवर प्यारी की
सती श्रोमणि पति हित कारिणी
पति सेवा वित्त वन वन चारिणी
पति हित पति वियोग स्वीकारिणी
त्याग धर्म मूर्ति धरी की
आरती श्री जनक दुलारी की
सीता जी रघुवर प्यारी की
विमल कीर्ति सब लोकन छाई
नाम लेत पवन मति आई
सुमीरात काटत कष्ट दुख दाई
शरणागत जन भय हरी की
आरती श्री जनक दुलारी की
सीता जी रघुवर प्यारी की
Mata Sita Aarti End